

प्रेषक,

पी० के० महान्ति,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निबन्धक,  
सहकारी समितियां,  
उत्तराखण्ड, अल्मोड़ा।

सहकारिता, गन्ना एवं धीनी अनुभाग-1 देहरादून दिनांक 15 फरवरी, 2008

विषय- चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में समस्त लघु एवं सीमान्त कृषक सदस्यों हेतु  
वैयक्तिक दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 5471/नियो०/ना०कू०क०/2007-08 दिनांक 25.01.2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में लघु एवं सीमान्त कृषक सदस्यों हेतु नारायण कृषक कृषक वैयक्तिक दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत रु० 42.75 लाख (रु० चत्वारिस लाख पचहत्तर हजार) एवं संलग्न पुनर्विनियोग रु० 4.75 लाख रु० (रु० चार लाख पचहत्तर हजार) कुल रु० 47.50 लाख (सैत्तालिस लाख पचास हजार रु०) आपके निजान भर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. उक्त धनराशि का उपयोग प्रश्नगत योजना के सम्बन्ध में उत्तराखण्ड सरकार एवं I.C.I.C.I. Lombard General insurance company Limited I.C.I.C.I. Towers Bandra Kurla complex Andheri (East) Mumbai के माध्यम से एम०डी०ए० के अनुरार किया जायेगा।

2. इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अगर निबन्धक लोम्बार्ड के साथ प्रश्नगत योजना की त्रैमासिक समीक्षा कर योजना की त्रैमासिक वित्तीय एवं मौलिक प्रगति से शासन को अनिवार्य रूप से अवगत करायेगा। जनपदी में जिला सहायक निबन्धक नोडल अधिकारी होंगे।

3. उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि गत वित्तीय वर्ष 2006-07 में इस मद में पूर्ण में स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराने के उपरान्त ही इस धनराशि का आहरण एवं व्यय किया जायेगा।

4. निबन्धक, सहकारी समितियां उत्तराखण्ड स्वीकृत धनराशि के आहरण की सूचना महालेखाकार (लेखा) कार्यालय उत्तराखण्ड को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम बाउचर संख्या, लेखाशीर्षक तथा आहरण की तिथि सहित सूचित करेंगे।

5. इस शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभाग में वित्त नियंत्रक/मुख्य लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चिता करेंगे, यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार का विचलन हो तो सम्बन्धित वित्त नियंत्रक आदि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दे दी जाय।

6. उक्त स्वीकृति इस बात के अधीन है कि उक्त धनराशि केवल चालू एवं पूर्व अनुमोदित मद पर ही व्यय की जाय, तथा किसी ऐसे कार्य/मद पर धनराशि व्यय न की जाय, जो योजना में स्वीकृत नहीं है।
7. स्वीकृत धनराशि का उपयोग निश्चित रूप से उन्ही मदों पर किया जाय, जिसके लिये स्वीकृति दी जा रही है, यदि उसका उपयोग अन्यत्र अथवा किसी अन्य मद में किया जाता है तो सम्बन्धित अधिकारी इसके लिये व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे तथा उनसे अप्राधिकृत व्यय की बरसूती की जायेगी।
8. उक्त स्वीकृत धनराशि का योजनादार व्यय विवरण प्रत्येक माह या उससे आगे माह की 5 तारीख तक सी०एम०-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग, शासन उक्त महालेखाकार को भिजवाना सुनिश्चित करें।
9. उक्त व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्य/मद पर व्यय न की जाय, जिसके लिये वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन/राक्षम अधिकारी की पूर्ण स्वीकृति अपेक्षित है, वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जाय।
10. उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-18 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2425-सहकारिता-आयोजनागत-00-800-अन्य व्यय-12-नालयन कृषक कर्म लघु सीमान्त सदस्यी हेतु वैयक्तिक दुर्घटना बीमा-00-20-सहायक अनुदान/अनुदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या 485 (P)/XXVII/2007, दिनांक 11.02.2008 में प्राप्त उत्तरी सहभाषि से जारी किया जा रहे है।

भवदीय,

(पी० के० महान्ति)  
सचिव।

संख्या:- 124(XIV-1/2008, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, लेखा एवं इकदारी उत्तराखण्ड माजरा देहरादून।
2. अपर निबन्धक सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य सहकारी बैंक लि०, उत्तराखण्ड।
5. प्ररिक्त कौमधिकारी अल्मोडा, उत्तराखण्ड।
6. समस्त जिला सहायक निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
7. समस्त सचिव/महाप्रबन्धक जिला सहकारी बैंक लि० उत्तराखण्ड।
8. निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड।
9. वित्त/निर्माण विभाग उत्तराखण्ड शासन।
10. गार्डफाईल।

आज्ञा से,

(डा० पी० एस० गुसाईं)  
अपर सचिव।

(पृ. १-१५७)

अनुदान संख्या-१३ आयोजनागत

(संस्कृत में प्रारंभिक रूप में)

129 / 111-1 / 2008-9

[illegible]

राजीव

प्रमाणित किया जाता है कि प्रमाणितकर्ता ने कार्य प्रमाणित किया है

(डा० पी० ए० सु० सा०)  
उपर सचिव ।

सेवा में,

महालेखाकार(लेखा)

उत्तराखण्ड, गाजरा, देहरादून।

संख्या-1290/XIV-1/2008 दिनांक 15 मई 2008

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित-

1. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें उत्तराखण्ड 23-लक्ष्मीरोड देहरादून।
2. निदेशक, सहकारी समितियाँ, उत्तराखण्ड।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोड़ा।
4. वित्त अनुभाग-4 /नियोजन विभाग उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, एनआईटीसी, सचिवालय भरिसर।
6. मार्ग पत्रावली हेतु।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-4

संख्या-1290/XIV-1/2008

देहरादून दिनांक 15 फरवरी, 2008

पुनर्विनियोग स्वीकृत



(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव, वित्त

आज्ञा से,



(डा0पी0एस0गुसाई)

अपर सचिव।